त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

रजि. नं.- MPHIN - 31958

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-5, भोपाल, 1 से 15 जनवरी 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

डोभाल के भारत लौटने पर आज होगा फैसला

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ शुक्रवार को प्रस्तावित विदेश सचिव स्तर की वार्ता पर आगे बढ़ने या नहीं बढ़ने के बारे में फैसला गुरुवार को प्रधानमंत्री लेंगे। गौर हो कि वार्ता पर आगे बढ़ने या नहीं बढ़ने के बारे में फैसला भारत ने आज तक के लिए टाल दिया था। भारत-पाक विदेश सचिव स्तर की वार्ता इस सप्ताह मुमकिन नहीं विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के आरज दोपहर तक पेरिस से वापसी का इंतजार करने का फैसला किया गया। उसके बाद वार्ता पर निर्णय लिया जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (ह्न) अजीत डोभाल और विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में वार्ता को लेकर ऐलान किया जा सकता है।

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया को दी चेतावनी, चीन से मांगी मदद

दक्षिण कोरिया ने गत दिनों हाइड्रोजन बम का परीक्षण करने का दावा करने वाले पड़ोसी देश उत्तर कोरिया को कड़े प्रतिबंधों को लगाने की चेतावनी देते हुए उसके निकटतम सहयोगी चीन से इस दिशा में सहयोग मांगा है।दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति पार्क गुयेन हुयी ने बुधवार को सालाना संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उत्तर कोरिया के खिलाफ लगाए जाने वाले प्रतिबंध पहले से ज्यादा सख्त होंगे। इसके लिए दक्षिण कोरिया सुरक्षा परिषद और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। हुयी का बयान उस समय आया है जब हाइड्रोजन बम के परीक्षण के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बेहद ब? गया है। इस बीच वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने दावोस में होने वाले वार्षिक सम्मेलन के लिए उत्तर कोरिया को भेजा गया न्योता वापस ले लिया है। उल्लेखनीय है कि गत 18 वर्षों में पहली बार यह निमंत्रण प्योंगयांग को भेजा गया था।

हमले के मामले में किया संयुक्त जांच दल का गठन

इस्लामाबाद। बुधवार को पाकिस्तान ने संयुक्त जांच दल (जेआईटी) का गठन किया जो पता लगाएगा कि भारत में पठानकोट आतंकवादी हमले में पाकिस्तान का कोई व्यक्ति या संगठन शामिल था या नहीं। जेआईटी में सैन्य अधिकारी और सुरक्षा से संबंधित अफसर शामिल हैं। पाकिस्तान द्वारा मामले में पूरी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के पीएम नवाज शरीफ के आदेश के बाद जेआईटी का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक जेआईटी की अगुवाई अतिरिक्त आईजी आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) पंजाब, राय ताहिर करेंगे। टीम के अन्य सदस्यों में आईबी (लाहौर) के निदेशक अजीम अरशद, सीटीडी (खबर पख्तूनखवा) के अतिरिक्त आईजी सलाउद्दीन खान, एफआईए (लाहौर) के निदेशक उस्मान अनवर, आईएसआई के ब्रिगेडियर नोमान सईद और सैन्य खुफिया (एमआई) के लेफ्टिनेंट कर्नल इरफान मिर्जा शामिल हैं। टीम 2 जनवरी को पठानकोट वायु सेना स्टेशन पर हुए हमले में पाकिस्तान के किसी संगठन या व्यक्ति का हाथ होने की पड़ताल करेगी। हमले में सात भारतीय अधिकारी और जवान मारे गए थे।

इंडोनेशिया : जकार्ता में जबर्दस्त धमाके और फायरिंग, 6 मरे

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सिलसिलेवार ब्लास्ट हुए हैं। इसमें अब तक 6 लोगों के मारे जाने की खबर है। घायलों की पुष्ट संख्या अभी तक पता नहीं चल पाई है। इंडोनेशियाई मीडिया के मुताबिक अभी फायरिंग जारी है। ब्लास्ट शरिनाह शॉपिंग मॉल के पास हुए हैं। यह मॉल प्रेजिडेंशल प्लेस और यूएन ऑफिस के पास है। पुलिस ने पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है। अभी तक कुछ भी पता नहीं चल पाया है कि विस्फोट की वजह क्या है और इसके पीछे कौन है। इससे पहले इंडोनेशिया में इस्लामिक मिलिटेंट ग्रुप के कई हमले हो चुके हैं।

गुरुवार को इंडोनेशिया की राजधानी के मध्य में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई है। यह बात रॉयटर्स से चश्मदीदों ने बताई है। इंडोनेशियाई पुलिस का कहना है कि इस हमले में तीन पुलिसकर्मी और तीन आम नागरिक मारे गए हैं। जकार्ता का बीच में सिलसिलेवार धमाका हुआ है। इंडोनेशियाई पुलिस का कहना है कि सेंट्रल जकार्ता में 10 से 14 गनमैन इस हमले में शामिल हैं।

पुलिस का कहना है कि इन संदिग्धों में एक आत्मघाती हमलावर हो सकता है। एक ब्लास्ट स्टारबक्स कैफे के पास हुआ है। बाद में सुरक्षाकर्मियों को इमारत के भीतर घुसते हुए देखा गया। रॉयटर्स के फटॉग्रफर ने कहा, %स्टारबक्स कैफे की खिड़कियों से लपटें निकल रही थीं। मैंने तीन शव सड़क पर देखे। शूटिंग के कारण सन्नाटा है लेकिन कोई छत पर है और पुलिस अपने बंदूक से निशाना साध रही है।% इंडोनेशिया इससे पहले कई धमाकों का शिकार बना है। इन धमाकों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी।

लोकल मीडिया का कहना है कि हमला अब भी जारी है। हमलावरों की सुरक्षाकर्मियों से मुठभेड़ चल रही है। खबर है कि ब्लास्ट में कम से कम तीन लोग मारे गए हैं। जकार्ता पुलिस के ट्विटर अकाउंट के मुताबिक एक विस्फोट शरिनाह मॉल के पास हुआ है। इंडोनेशिया में इस्लामिक स्टेट के हमले की आशंका पहले से थी। इंडोनेशियाई पुलिस ने देश भर में इस्लामिक स्टेट के संदिग्धों के खिलाफ अभियान चलाया था। टीवी वन से एक चश्मदीद ने कहा कि उसने पुलिस को गोली लगते हुए देखा। पूरे इलाके को हथियारबंद पुलिसकर्मियों ने घेर लिया है। यूएन ऑफिस से किसी को बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। आसपास की सभी इमारतों को खाली कराया गया है। इंडोनेशिया का सेंट्रल बैंक भी इसी इलाके में है। पश्चिमी उपनगर में एक अलग के धमाके की आवाज सुनी गई है।

अमित शाह फिर बनेंगे भाजपा अध्यक्ष

नयी दिल्ली। एक बार फिर से अमित शाह का भाजपा अध्यक्ष बनना लगभग तय है। उम्मीद है 2019 के चुनाव तक बीजेपी की कमान अमित शाह के ही हाथ में रहेगी। अभीतक पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह का कार्यकाल संभाल रहे अमित शाह को इस माह के अंत में फिर से पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाना लगभग तय है। तमाम मीडिया हलकों में आ रही खबरों के अनुसार अमित शाह के नाम पा आरएसएस की हरी झंडी पहले ही मिल चुकी है। इसके साथ ही मंत्रिमंडल में बड़ी फेरबदल की भी उम्मीद है।

हालांकि चार बड़े मंत्रायल, गृह, रक्षा, वित्त और विदेश मंत्रालय में कोई फेरबदल नहीं किया जायेगा। लेकिन कुछ मंत्रालयों में नये चेहरे को शामिल किये जाने की उम्मीद है। 23 जनवरी को

अमित शाह का मौजूदा कार्यकाल समाप्त हो रहा है। भाजपा प्रदेश स्तर की कमिटी का चुनाव इस माह के अंत तक संपन्न होने की उम्मीद है। उसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन होगा।

हालांकि अमित शाह की अगुवाई में भाजपा को दिल्ली और बिहार में बड़ी हार का सामना करना पड़ा है, फिर भी पीएम नरेंद्र मोदी का उनपर अटूट विश्वास है।

चार भारतीय युवा सीरिया में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीरिया ने आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में शामिल होने की कोशिश कर रहे चार भारतीय युवकों को अपनी हिरासत में लिया है और भारतीय अधिकारियों से उनका विवरण सत्यापित करने को कहा है। भारत की तीन दिन की यात्रा पर आए सीरिया के उप प्रधानमंत्री वालिद अल मुआउलम ने कहा कि चार युवक सीरिया में आए थे और उन्हें दमिश्क में हिरासत में लिया गया। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें कब पकड़ा गया। वालिद ने संवाददाताओं से कहा, चार भारतीयों को दमिश्क में सीरिया की हिरासत में ले लिया गया। चार भारतीय युवा आईएसआईएस में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे और जॉर्डन से सीरिया में आ गए थे। हालांकि उन्होंने युवकों के नाम, उन्हें कहां से पकड़ा गया और कब हिरासत में लिया गया, आदि जानकारी नहीं दी। इस घटनाक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि भारत युवाओं को आतंकवादी संगठनों में शामिल होने से रोकने के प्रयास कर रहा है। पिछले साल दिसंबर में पुलिस ने नागपुर हवाईअड्डे से तीन युवकों को गिरफ्तार किया था।

मुजफ्फरनगर में सांप्रदायिक तनाव

मुजफ्फरनगर। करीब दो साल पहले भीषण दंगे से लहूलुहान हो चुके पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक बार फिर तनाव की स्थिति है। एक आशा कार्यकर्ता के रेप का विडियो वायरल होने और उसके आत्महत्या करने के बाद मुजफ्फरनगर में तनाव का माहौल है। शहर में बुधवार को बड़े पैमाने पर आसपास के जिलों की आशा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। आरोप है कि 20 साल के एक युवक ने 40 साल की आशा कार्यकर्ता के साथ रेप किया। यही नहीं उसने इस दरिंदगी का विडियो बना लिया और वॉट्सऐप पर वायरल कर दिया। पीड़ित महिला और आरोपी के अलग-अलग समुदाय से होने की वजह से इलाके में तनावपूर्ण स्थिति है।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर शाहिद नाम के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ रेप, आत्महत्या के लिए उकसाने और आईटी ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार देर रात अरेस्ट किया था। आरोपी ने शुरुआती पूछताछ में महिला से रेप करने और उसका विडियो बनाकर वायरल करने की बात स्वीकार कर ली है। एसपी सिटी प्रदीप गुप्ता ने कहा कि आरोपी को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। एसपी ने कहा, गांव में तनाव का मौहाल है। यह मामला दो समुदायों से संबंधित है। इसलिए यह केस संवेदनशील हो गया है। हमने भारी पुलिस तैनात करने का फैसला लिया है।

फ्लिपकार्ट के डिलिवरी बॉय ने उड़ाया छह लाख का माल

इंदौर। ई-कॉमर्स कंपनी में लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने कंपनी के डिलिवरी बॉय सहित तीन लोगों को पकड़ा है। उनसे तीन लाख का माल बरामद किया गया है। इसमें कीमती मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक आइटम शामिल हैं।

सीएसपी सूरज वर्मा के मुताबिक मामला ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट का है। पुलिस ने मैनेजर यमक पिता नंदकिशोर निवासी महालक्ष्मी नगर की शिकायत पर हेराफेरी का केस दर्ज किया था। जांच कर पुलिस ने कंपनी के डिलिवरी बॉय राहुल डाबी को गिरफ्तार किया। करीब पांच महीने से सामान की हेराफेरी हो रही थी। पिछले दिनों राहुल पर शक हुआ। वह डिलिवरी देने जाते वक्त कुछ सामान बगैर स्कैन किए रख लेता था। इस तरह उसने छह लाख से अधिक के मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान गायब कर दिया।

आरोपी ने कंपनी को बताए बगैर सामान बेचा और रुपए खुद रख लिए। टीआई छत्रपालसिंह सोलंकी के मुताबिक आरोपी ने कुछ साथियों के नाम भी कबूले हैं। पुलिस ने दो साथियों को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। राहुल से तीन लाख के मोबाइल और अन्य सामान बरामद हो गया है।

24 घंटे बिल भरने वाली मशीनें बंद

इंदौर। 24 घंटे ऑफलाइन बिल भरने की सुविधा देने के लिए बिजली कंपनी ने तीन डिविजनल ऑफिस में बिल डिपॉजिट मशीन या पेमेंट कियोस्क शुरू किए थे। रविवार को भी इनसे बिल भरे जा सकते हैं। इनकी संख्या ब ?ाना तो दूर, जो थे वो ही नहीं संभाल रहे हैं। दो जोनल कार्यालयों पर महीनों से मशीनें बंद हैं और इन्हें ठीक नहीं किया जा सका। आईनेक्स्ट की रिपोर्ट- बिजली कंपनी के उपभोक्ता बगैर परेशानी के सुविधाजनक तरीके से बिल जमा कर सके इसलिए कई प्रयोग किए जा रहे हैं। कुछ महीनों में नई मशीनों और व्यवस्थाओं के नाम पर ब ?ी राशि भी खर्च की जाती है, लेकिन सक्रियता और गंभीरता नहीं होने से मामला कुछ ही दिनों में अटक जाता है। अप्रैल 2015 में बिजली कंपनी ने अपने तीन डिविजनल कार्यालयों पर पेमेंट कियोस्क लगाए थे, लेकिन इनमें से दो बंद हो चुके हैं। विजय नगर और अन्नापूर्णा के ऑफिस में महीनों से यह सुविधा बंद है, लेकिन इन्हें शुरू नहीं करवाया जा सका। मई में शुरू, जुलाई में ही बंद इन मशीनों की खासियत है कि इनसे बिल जमा करने के लिए किसी भी ऑपरेटर की जरूरत नहीं है। इनसे 24 घंटे बिल भरा जा सकता है और रविवार को भी यह सुविधा उपलब्ध रहती है।

सिंहस्थ: बहिष्कार की चेतावनी के बाद अब नगर प्रवेश स्थगित

उज्जैन। सिंहस्थ के बहिष्कार की चेतावनी के बाद अब दशनाम जूना अखाड़े ने 21 जनवरी को प्रस्तावित नगर प्रवेश कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। नगर प्रवेश में अखाड़े के हजारों नागा संन्यासियों के शामिल होने की उम्मीद थी। अखाड़े ने हाथी-घोड़े और बैंड की बुकिंग निरस्त कर दी है।

इससे मेला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। दरअसल जूना अखाड़ा सिंहस्थ के मुख्य आकर्षण में से एक है। जूना अखाड़े के मुख्य संरक्षक महंत हरि गिरिजी महाराज ने मेला प्रशासन से चार माह पहले घाटों पर छायादार वृक्ष ट्रांसप्लांट कराने की मांग की थी। उनका कहना था कि मेले के दौरान भीषण गर्मी होती है, इसलिए छायादार वृक्ष लगाएं। पेशवाई के पड़ाव स्थल नीलगंगा तालाब में गंदगी का अंबार है। कहा था कि पाइपलाइन के जरिए गंदगी को साफ कर स्नान करने लायक जल छोड़ा जाए। प्रशासन ने महंत हरि गिरि की किसी भी मांग पर गंभीरता से विचार नहीं किया। इसके अलावा दत्त अखाड़ा घाट पर लाल पत्थर लगाने की मांग पर भी विचार न होना नाराजगी का प्रमुख कारण है। अखाड़े की जमीन पर पक्का निर्माण न कराए जाने को लेकर गत दिनों हरि गिरिजी और संभागायुक्त के बीच बातचीत हुई थी। महंत अखाड़े की निजी जमीन पर रसोई के लिए पक्का निर्माण चाहते थे। अफसरों की दलील है कि जूना के नाम पर दत्त अखाड़ा में निर्माण कार्य कराया गया है।

प्रशासन पर लगाया उपेक्षा का आरोप

हरि गिरिजी महाराज ने प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा श्रद्धालु जनता के लिए एक काम नहीं कराया गया है। करोड़े रुपए खर्च करने के बाद भी सिंहस्थ क्षेत्र में कुंभ जैसी रौनक नहीं दिखाई पड़ रही है। नगर प्रवेश के लिए उज्जैन आने वाले नागा संन्यासियों को अब इलाहाबाद और हरिद्वार के मेले में भेजा जा रहा है।

मेला प्रशासन मनाने में जुटा जूना अखाड़े द्वारा सिंहस्थ के बहिष्कार की चेतावनी से प्रशासन सकते में है।

सिंहस्थ में अनिष्टकारी योग को दूर करने के लिए चक्रतीर्थ पर तंत्र क्रिया-

उज्जैन। कामाख्या के कापालिक बाबा भैरवानंद सरस्वतीजी ने रविवार रात अमावस्या पर तंत्र क्रिया की। बाबा ने शिप्रा किनारे चक्रतीर्थ श्मशान पर चिता प्लेटफॉर्म पर पूजन किया। इस क्रिया को देखने के लिए बढ़ी संख्या में लोग पहुंचे। कापालिक बाबा के अनुसार, सिंहस्थ के समय बन रहे अनिष्टकारी योग को दूर करने सहित विश्व शांति व मानव कल्याण के लिए तंत्र क्रिया की गई है। उन्होंने कहा कि कुछ तथाकथित ज्ञानी लोग तंत्र को नीचा गिराने की कोशिश कर रहे हैं। तंत्र सत्य है और सत्य रहेगा।

स्वास्थ्य

परिजन स्ट्रेचर ढूंढते रहे

अधीक्षक के कमरे के बाहर हो गई डिलिवरी

इंदौर। एमवाय अस्पताल में लापरवाही का एक और मामला सामने आया। सोमवार रात सतवास से आयी गर्भवती की जान जाते-जाते बची। परिजन उसे वार्ड तक ले जाने के लिए स्ट्रेचर ढूंड़ते रहे। काफी देर तक स्ट्रेचर नहीं मिलने पर वे पैदल ही ले जाने लगे, लेकिन अधीक्षक के ऑफिस के बाहर महिला की डिलिवरी हो गई।

घटना करीब रात 8 की है। कन्नौद के पास सतवास की रहने वाली 38 साल की गर्भवती मेहराज बी पति शाकीर को परिजन सोमवार को एमवायएच लेकर पहुंचे।

उसका ब्लडप्रेशर काफी बढ़ा होने और हालत चिंताजनक होने से सतवास के अस्पताल से उसे एमवायएच रैफर किया गया। परिजन यहां स्ट्रेचर के लिए दौड़ते रहे लेकिन किसी ने मदद नहीं की। इस दौड़-भाग में अधीक्षक के कमरे के बाहर डिलिवरी हो गई। कुछ देर बाद डॉक्टर और नर्स पहुंचे। शिशु को एनआईसीयू में भर्ती किया गया। दोनों की हालत स्थिर है।

रैफर मामले में भी अलर्ट नहीं : गर्भवती का ब्लडप्रेशर 200 तक पहुंच गया था। शिशु की स्थिति भी गर्भ में उल्टी हो गई थी। महिला की गंभीर हालत देखते हुए सतवास से केस रैफर कर दिया था। इसके बावजूद सावधानी नहीं रखी गई। महिला दर्द से कराहती रही और गार्ड देखते रहे।

आधी डिलिवरी तो हमने ही करवा दी थी : परिजन अमीरी बी ने बताया कि मेहराज की तीन बेटियां हैं। सतवास के डॉक्टर ने केस लेने से मना कर दिया था। एमवायएच में हम पहली बार आए थे। हमें नहीं पता था कि कहां ट्रॉली मिलेगी। नीचे काफी देर तक ट्रॉली ढूंढते रहे पर उसकी तकलीफ बहुत बढ़ गई थी। अहसनीय होने पर कंधे का सहरा देकर उसे पैदल ले जाने लगे, लेकिन ऊपर जाने के पहले ही डिलिवरी हो गई। आधी डिलिवरी तो हमने आसपास के मरीजों की अटेंडरों की मदद से करवाई, लेकिन बच्चे का सिर अंदर ही रह गया था। डॉक्टर ने आकर उसे निकाला।

पहले भी उठ चुका है मुद्दा : एमवाय अस्पताल में स्ट्रेचर नहीं होने का मुद्दा पहले भी उठ चुका है। वार्डबॉय तुरंत मरीज को स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं करवाते। इस वजह से परिजन को ही मरीज को वार्ड तक ले जाना पड़ता है। इस मामले में कमिश्नर संजय दुबे भी हिदायत दे चुके हैं, लेकिन उनके आदेश भी हवा हो गए।

लिफ्ट में फंसने से हो गई थी मौत

-पिछले दिनों मोती तबेला निवासी 28 वर्षीय शाहीदा बी को बहुत ज्यादा पेट दर्द के चलते परिजन अस्पताल लेकर आए थे। करीब एक घंटे तक परिजन स्ट्रेचर ढूंढते रहे थे। जब नहीं मिला तो गोद में लेकर भटकते रहे। जब ऊपर वार्ड में जाने लगे तो लिफ्ट में फंस गए। लिफ्ट में फंसे रहने के दौरान शाहीदा की मौत हो गई थी। इस मौत की जांच अस्पताल प्रशासन करता रहा लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

-भागीरथपुरा निवासी सौरभ सूर्यवंशी की मौत ने भी अस्पताल की अव्यवस्था की पोल खोल दी थी। 31 दिसंबर की देर रात विजय नगर पुलिस ने घायल सौरभ को भर्ती किया था। कैजुअल्टी से मरीज भाग गया और चार दिन तक अस्पताल परिसर में घूमता रहा। 4 जनवरी को अस्पताल के पास उसकी लाश मिली।

जांच करवाएंगे

महिला डिलिवरी का समय आने पर ही अस्पताल पहुंची होगी। फिलहाल मेरी जानकारी में मामला नहीं है। अगर समय पर स्ट्रेचर नहीं मिलने जैसी बात है तो कल दिखवाते हैं। जांच की जाएगी।

मर्डर के पहले शराब पी रहा था ड्राइवर

इंदौर। धन्वंतरि नगर के ड्राइवर सतीश तंवर की हत्या के मामले में पुलिस राजेंद्र नगर की शराब दुकान के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को पता चला है कि घटना की रात सतीश अहाते में शराब पी रहा था। उसके बाद वह कहां-क्यों और किसके साथ गया, यह खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस के सामने यह भी बात आई है कि सतीश के कुछ महिलाओं से संबंध थे। हालांकि इस बिंदु पर जांच की जा रही है। 18 दिसंबर को सतीश की सिर कुचली लाश मिली थी। 31 दिसंबर को परिवार ने गुमशुदगी दर्ज करवाई थी और मंगलवार को उसकी शिनाख्त हो पाई थी। पुलिस अब सतीश के हत्यारे को तलाश रही है। -

राज्य शासन की सेवाओं में बाहरी आवेदकों की 35 वर्ष आयु सीमा को मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य शासन की सेवाओं में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित आयु सीमा में संशोधन करने का निर्णय लिया गया। अब मध्यप्रदेश के बाहर के आवेदकों के लिए निर्धारित आयु सीमा 40 वर्ष को घटाकर 35 वर्ष किया गया है।

अनारक्षित वर्ग के पुरुष आवेदक, जो मध्यप्रदेश के मूल निवासी हैं, की आयु सीमा 40 वर्ष और मध्यप्रदेश के बाहर के आवेदकों की आयु सीमा 35 वर्ष निर्धारित की गयी है। इसी प्रकार शासकीय/निगम/मंडल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक, आरक्षित वर्ग- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग, आरक्षित वर्ग शासकीय/ निगम/ मंडल/ स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक के पुरुष आवेदक, जो मध्यप्रदेश के मूल निवासी हैं, की आयु सीमा 45 वर्ष और बाहर के आवेदकों की 35 वर्ष निर्धारित की गयी है। अनारक्षित वर्ग की महिला आवेदक, आरक्षित वर्ग शासकीय/निगम/मंडल/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक और आरक्षित वर्ग अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछ?ा वर्ग की महिला आवेदक, जो मध्यप्रदेश की मूल निवासी हैं, की आयु सीमा 45 वर्ष और मध्यप्रदेश के बाहर के आवेदकों की 35 वर्ष रखी गई है।

नगरीय क्षेत्र में अधोसंरचना विकास

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास के लिए मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत विश्व बैंक से ऋण लेने की स्वीकृति दी। योजना में वह शहर लिए गए हैं जिनमें अन्य योजनाओं से जल-प्रदाय योजना स्वीकृत नहीं है। प्रदेश की मुख्य नदियों को प्रदूषित करने वाले निकाय तथा पर्यटन व धार्मिक विरासत नगर की मल-जल निस्तारण योजना को इस प्रस्ताव में शामिल किया गया है। परियोजना में भारत सरकार से %अमृत%% योजना में वित्त पोषण प्राप्त शहर के लिए वित्त व्यवस्था भी निर्धारित की गई है। इसके अनुसार विश्व बैंक ऋण 50 प्रतिशत और भारत सरकार का अनुदान 50 प्रतिशत रहेगा। अन्य शहरों के लिए वित्त व्यवस्था के लिए विश्व बैंक ऋण 70 प्रतिशत और मध्यप्रदेश शासन का अंश 30 प्रतिशत रहेगा। ऋण राशि के 75 प्रतिशत भाग और संबंधित ब्याज की राशि का पुनर्भुगतान राज्य के बजट से किया जाएगा। ऋण के शेष 25 प्रतिशत भाग का भुगतान संबंधित नगरीय निकाय द्वारा किया जाएगा। इसी सिलसिले में मंत्रि-परिषद ने विश्व बैंक के वित्त पोषण से प्रस्तावित मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट प्रोजेक्ट का अनुमोदन करने का भी निर्णय लिया। योजना के क्रियान्वयन में प्रस्तावित नगरों की जल आवर्द्धन योजनाओं तथा नगरों की मल-जल निस्तारित योजनाओं को मंजूरी दी।

किसानों को 3706 करोड़ की राहत राशि वितरित

भोपाल। प्रदेश में पिछले वर्ष अल्प वर्षा से हुई फसल हानि पर राज्य शासन द्वारा किसानों को अब तक 3706 करोड़ 85 लाख 59 हजार रुपये की राहत राशि वितरित कर दी गयी है। किसानों को राहत के लिये राज्य शासन द्वारा 3550 करोड़ 66 लाख 97 हजार की राशि आवंटित की गयी है। अभी तक वितरित राशि इस राशि का 96 प्रतिशत है।

उल्लेखनीय है कि 28 जिले में 100 प्रतिशत राशि वितरित की जा चुकी है। जिन जिलों में 100 प्रतिशत राशि वितरित की गयी है, उनमें बड़वानी, भोपाल, छिन्दवाड़ा, दमोह, दतिया, देवास, डिण्डोरी, जबलपुर, झाबुआ, मण्डला, नीमच, पन्ना, रायसेन, रतलाम, रीवा, सागर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, शिवपुरी, श्योपुर, सीधी, टीकमगढ़, अनूपपुर, बुरहानपुर, अलीराजपुर और खरगोन हैं।

इसके साथ ही बालाघाट जिले में 98, बैतूल में 94, भिण्ड में 87, छतरपुर में 97, गुना में 79, हरदा में 97, कटनी में 99, खण्डवा में 98, मुरैना में 95, राजगढ़ में 74, सतना में 95, उज्जैन में 70, उमरिया में 99, विदिशा में 90, अशोकनगर में 89, सिंगरौली में 99, आगर-मालवा में 99, होशंगाबाद में 99 और नरसिंहपुर जिले में 96 प्रतिशत राहत राशि वितरित की गयी है।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बनेगी सड़क सुरक्षा नीति

भोपाल। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा नीति बनाई जाएगी। इसमें सड़क सुरक्षा के प्रभावी उपाय किए जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज यहाँ हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में प्रस्तावित सड़क सुरक्षा नीति का प्रस्तुतिकरण दिया गया। बैठक में गृह मंत्री श्री बाबूलाल गौर, लोक निर्माण मंत्री श्री सरताज सिंह, नगरीय प्रशासन राज्य मंत्री श्री लालसिंह आर्य भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में कहा कि सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों को कड़ाई से लागू करवाया जाए। सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभाग समन्वित रूप से यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए कार्य करे। सड़क सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक व्यवस्था विकसित की जाए। गृह मंत्री श्री गौर ने कहा कि सड़क सुरक्षा समिति से जुड़े सभी विभाग की नियमित बैठकें हो।

बैठक में सड़क सुरक्षा नीति के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिया गया। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न विभाग द्वारा किए जाने वाले उपायों की जानकारी दी गई। नई सड़क सुरक्षा नीति में अंतर्विभागीय समन्वय के लिए राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण अनुसंधान एवं विकास केन्द्र तथा राज्य स्तरीय यातायात प्रबंधन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित नीति में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए राज्य सड़क सुरक्षा मानक तैयार करने का प्रस्ताव किया गया। सड़क सुरक्षा सूचना डाटाबेस तैयार करने, सुरक्षित सड़क अधोसंरचना तैयार करने तथा सड़क सुरक्षा ऑडिट की व्यवस्था का प्रस्ताव किया गया है।

पहल

भोपाल में 1250 करोड़ लागत से एयरो स्पेस पार्क बनेगा

दोनों परियोजना पर सरकार द्वारा 488. 83 करोड़ की सहायता अनुमानित

भोपाल। मेसर्स रिलायंस लेण्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा एसईजेड पीथमपुर में 3000 करोड़ के पूँजी निवेश से डिफेंस पार्क की स्थापना की जायेगी। इसी तरह मेसर्स रिलायंस डिफेंस एण्ड एयरो स्पेस लिमिटेड द्वारा भोपाल में 1250 करोड़ के पूँजी निवेश से एयरो स्पेस पार्क परियोजना की स्थापना की जायेगी। इस संबंध में प्रस्तावों को आज मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न उद्योग संवर्धन समिति में मंजूरी दी गई। डिफेंस पार्क परियोजना को उद्योग संवर्धन नीति तथा रक्षा संयंत्र उत्पाद निवेश नीति में अनुमानित 161 करोड़ 50 लाख की सहायता दी जायेगी। इसी तरह एयरो स्पेस पार्क परियोजना की स्थापना पर कम्पनी को 327 करोड़ 33 लाख रुपये की सहायता दिया जाना अनुमानित है। दोनों परियोजना में 4,250 करोड़ का पूँजी निवेश होगा और इनके लिये राज्य सरकार द्वारा कुल 488 करोड़ 83 लाख की सहायता दिया जाना अनुमानित है।

एसईजेड एक्ट 2003 के प्रावधान अनुसार प्रवेश कर तथा विद्युत शुल्क से छूट और स्टाम्प डयूटी एवं पंजीयन शुल्क से मुक्ति दी गई है। साथ ही स्थानीय निकाय द्वारा अधिरोपित करों से भी छूट मंजूर की गई है। अन्य सुविधाओं में रिसर्च एण्ड डेव्हलपमेंट के लिये निवेश पर अनुदान, परियोजना में कार्यरत मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को प्रशिक्षण के लिये श्रम लागत एवं प्रशिक्षण व्यय अनुदान, महिलाओं को 3 पाली में काम करने की अनुमति दी गई है। इकाई को सप्ताह में सात दिन कार्यरत रहने की अनुमति इस शर्त पर दी गई है कि कर्मचारियों को एक दिवस का साप्ताहिक अवकाश अनिवार्य रूप से दिया जाये।

कम्पनी की परियोजना को नीति में संभावित सहायता 24 करोड़ 50 लाख रुपये एवं नीति के सहमति के बाद अतिरिक्त संभावित सहायता 137 करोड़ रुपये अनुमानित है। इस तरह इस परियोजना के लिये कम्पनी को कुल 161 करोड़ 50 लाख रुपये की सहायता मिलने का अनुमान है।

एयरो स्पेस पार्क परियोजना

मेसर्स रिलायंस डिफेंस एण्ड एयरो स्पेस लिमिटेड द्वारा भोपाल में 1250 करोड़ के पूँजी निवेश से एयरो स्पेस पार्क परियोजना की स्थापना की जायेगी। उद्योग संवर्धन नीति 2014 और रक्षा संयंत्र उत्पाद निवेश नीति 2014 में बढ़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर तथा वृहद पूँजी निवेश को ध्यान में रखते हुए कम्पनी को 76 एकड़ भूमि 25 प्रतिशत प्रीमियम पर 99 वर्ष की लीज पर आवंटित किये जाने को मंजूरी दी गई। साथ ही मूलभूत अधोसंरचना निर्माण के अंतर्गत विद्युत, जल, सड़क अधोसंरचना निर्माण के लिये किये गये व्यय का 50 प्रतिशत अधिकतम 5 करोड़ रुपये प्रति अधोसंरचना निर्माण के मान से स्वीकृत किया जायेगा। वेट और सीएसटी पर 50 प्रतिशत की दर से 20 वर्ष के लिये सहायता स्वीकृत की गई है।

इस पार्क की स्थापना से बढ़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। वृहद पूँजी निवेश को दृष्टि में रखते हुए 300 एकड़ भूमि 25 प्रतिशत प्रीमियम पर 99 वर्ष की लीज पर आवंटन की स्वीकृति दी गई है। वेट और सीएसटी पर सहायता भी मंजूर की गई है।

परियोजना को प्रवेश कर और विद्युत कर से छूट, स्टाम्प डयूटी और पंजीयन शुल्क से प्रतिपूर्ति सहायता भी स्वीकृत की गई है। अन्य सुविधाओं में रिसर्च एण्ड डेव्हलपमेंट के लिये निवेश पर अनुदान, विद्युत दर पर 5 वर्ष के लिये एक रुपये प्रति यूनिट प्रचलित दर से विद्युत छूट का भी निर्णय लिया गया। विद्युत आपूर्ति के लिये अधोसंरचना का विकास एमपी ट्रांसमिशन कम्पनी द्वारा किया जायेगा।

सम्पादकीय

स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, भारत की इकॉनमी पर इसका असर

हमारे देश में आइडिया और इनोवेशन की कोई कमी नहीं है। यही वजह है कि आज स्टार्टअप्स के मामले में भारत दुनिया के टॉप 5 देशों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। भारत में 9500 से 10,500 स्टार्टअप मौजूद हैं, वहीं अमेरिका में 83000 से 83500 स्टार्टअप हैं। भारत में एक स्टार्टअप की औसत वैल्युएशन करीब 18 करोड़ रुपये है जबकि अमेरिका में ये करीब 29 करोड़ रुपये है।

16 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना स्टार्टअप इंडियाए स्टैंडअप इंडिया की शुरुआत होने वाली है। इस प्रोग्राम में डेढ़ हजार से ज्यादा आंत्रप्रेन्योर मेंटर और इन्वेस्टर हिस्सा लेने वाले हैं। योजना के जरिए प्रधानमंत्री स्टार्टअप्स मूवमेंट को घर.घर पहुंचाना चाहते हैं। लेकिन स्टार्टअप्स का ये सफर कहां से शुरू हुआ और ये कैसे एक पॉपुलर ट्रेंड बन गयाए आइए देखते हैं।

देश में इकोनॉमिक रिफॉर्मए ग्लोबलाइजेशन और आईटी सेक्टर बूम से आंत्रप्रेन्योरशिप को काफी बढ़ावा मिला। और जैसे-जैसे इंटरनेट तक लोगों की पहुंच बढ़ी व भारतीय लोगों द्वारा ऑनलाइन खरीदी अथवा सेवाओ में रूचि दिखाईए स्टार्टअप कल्चर तेजी से पॉपुलर होता गया। फिलहाल भारत में हर साल 1000 से 1200 नए स्टार्टअप शुरू हो रहे हैं। मोदी जी द्वारा चलाये गए अभियान डिजिटल इंडिया का भी स्टार्टअप कंपनियों को आगे बढ़ने में फायदा मिला।

स्टार्टअप का सबसे ज्यादा बोलबाला मेट्रो और टीयर.1 शहरों में देखने को मिल रहा है। फिलहाल देश के सबसे ज्यादा स्टार्टअप बंगलुरु में हैं। दिल्ली एनसीआर और मुंबई भी इस रेस में अपनी जगह बना रहे हैं। देश में स्टार्टअप्स में निवेश भी खूब बढ़ा है। हर हफ्ते स्टार्टअप्स में करीब 630 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। सिर्फ पिछले साल यानी 2015 में देश के 400 स्टार्टअप्स में 32 हजार करोड़ रुपए का निवेश हुआ।

स्टार्टअप की इस क्रांति ने देश के 80 से 85 हजार लोगों को रोजगार देने का काम किया है और एक अनुमान के मुताबिक साल 2020 तक ढ़ाई लाख लोग स्टार्टअप में काम कर रहे होंगे।

यही वजह है कि पिछले 5 साल में देश में स्टार्टअप की संख्या 10 गुनी हो गई है। साफ तौर पर स्टार्टअप्स कम्पनीस देश की इकोनॉमी का अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं।

– *पराग वराडपांडे*

मध्यप्रदेश में आर्थिक परिवर्तन का उत्प्रेरक वर्ष रहा 2015

वर्ष 2016 जहाँ एक ओर अनगिनत आशाएँ लेकर आ रहा है वहीं बीत रहा 2015 मध्यप्रदेश सरकार के ठोस कदमों और उच्च-स्तरीय संवेदनशीलता के लिए याद रहेगा। वर्ष 2015 निश्चित रूप से राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में उत्प्रेरक साल साबित हुआ। यह घटनाप्रधान साल था। अल्प-वर्षा से क्षणिक उदासी का माहौल रहा लेकिन सक्रिय और संवेदनशील प्रशासन से इसका प्रभाव कम हो गया। फसल नुकसान से पीड़ित किसानों को तात्कालिक रूप से उठाये गये कदमों और प्रभावी उपायों से राहत मिली।

किसानों की हालत पर चिंता करने और समाधान खोजने के लिये राज्य विधानसभा का विशेष सत्र कई अर्थों में अभूतपूर्व सिद्ध हुआ। किसान समुदाय के पक्ष में धन जुटाने के प्रस्तावों को मंजूरी मिली। इस प्रकार एक संसदीय इतिहास बना। एक और ऐतिहासिक क्षण आया नवम्बर माह में जब मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान ने अपने कार्यकाल के 10 वर्ष पूरे किये। इसके साथ ही मध्यप्रदेश के सर्वाधिक लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड उनके नाम हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम : अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम कर मध्यप्रदेश ने अपनी आयोजन क्षमता साबित कर दी है। वैश्विक महत्व के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरण संबंधी कार्यक्रमों के सफल आयोजन बड़ी उपलब्धि रही। दसवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन, भारतीय मूल्य और जीवन, धर्म और मानव कल्याण और अंतर्राष्ट्रीय हर्बल मेले की वैश्विक स्तर पर चर्चा हुई। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के व्यक्तित्वों ने मध्यप्रदेश में उपस्थिति दर्ज की। पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को आम जनता का समर्थन मिला। प्रदेश भर में योग सत्र किए गए। नागरिकों ने मध्यप्रदेश के 60वें स्थापना दिवस पर समृद्ध मध्यप्रदेश बनाने का संकल्प लिया। पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव होना एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। महिलाओं में राजनीतिक नेतृत्व को प्रोत्साहित करने और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में भागीदार बनाने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के चलते 50 फीसदी जिला पंचायतों में महिलाएँ अध्यक्ष के रूप में चुनी गईं।

दूरगामी परिणाम वाले फैसले : वर्ष 2015 में लिये गये फैसलों से राज्य के तेजी से विकास करने में आने वाली बाधाएँ दूर करने में मदद मिलेगी। सकारात्मक परिणाम आने वाले वर्षों में दिखाई देंगे। तेजी से बढ़ रही आबादी के लिए डॉक्टरों की आवश्यकता को देखते हुए दतिया और खंडवा में मेडिकल कॉलेज खोलने का फैसला महत्वपूर्ण है। विदिशा, रतलाम और शहडोल में मेडिकल कॉलेज के खुलने से भी स्वास्थ्य सुविधा के बुनियादी ढाँचे को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। करीब 18 लाख किसान को 5500 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने के निर्णय से बिजली बिलों का भुगतान करने में राहत मिलेगी।

आँगनवाड़ी और प्राथमिक शालाओं के बच्चों को एक सप्ताह में तीन दिन स्वादिष्ट दूध मिलना शुरू हो गया है। बच्चों में कुपोषण से निपटने के लिए यह एक सशक्त पहल है। अटल शहरी कायाकल्प और परिवर्तन मिशन - अमृत में 32 शहर को शामिल करने से शहरी अधोसंरचना विकास में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेगा। बाबा साहेब अंबेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान को विश्वविद्यालय का दर्जा देने के निर्णय से सामाजिक विज्ञान में शैक्षिक अनुसंधान और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण संस्थान के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। महिलाओं के हाथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली की एक तिहाई दुकानों का संचालन देने, प्रत्येक ग्राम पंचायत में उचित मूल्य की दुकान खोलने के निर्णय से सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY PRACHI HUNDAL MADAM
(Teaching Exp. 24 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2016 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

SAAP SOLUTIONS
Explore New Digital World
* All Types of Website Designing (Static Website, Dynamic Website, Ecommerce Site, Responsive/Adaptive Design, Customer focused design)
* Logo Designing by Experts
* Bulk SMS Services
Increase Your Sale By using
BULK SMS Services
For more details Visit our website saapsolution.com
For Enquires contact on 9425313619, Email-info@saapsolution.com

टाइम पर पहुंचना है ऑफिस, मॉर्निंग रुटीन को इस तरह करें तेज

ऑफिस समय पर पहुंचने की कितनी भी कोशिश करो लेकिन सुबह-सुबह की भागादौड़ी के कारण लेटलतीफी हो ही जाती है। यह समस्या कई लोगों के साथ होगी कि उन्हें जल्दी उठने के बाद भी यह महसूस होता है कि उन्हें हर काम करने में जल्दबाजी करनी पड़ रही है। जल्दी-जल्दी नहाना, ब्रेकफास्ट ही नहीं अपना ऑफिस बैग जमाने में भी समय की कमी महसूस होती है। ऐसे में हर सुबह तनावपूर्ण होती है। यानी ऑफिस जाने से पहले ही आप इतने स्ट्रेस्ड हो जाते हैं कि आपकी एनर्जी अफेक्ट होती है।

अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही है तो यह पांच बातें आपके लिए बड़े काम की हो सकती है। इन पांच टिप्स को अपनाकर आप अपना मॉर्निंग रुटीन तेज कर सकते हैं:

स्नूज की आदत एक बार लग जाए तो इसे छोड़ना मुश्किल है। एक बार आपने सुबह उठने का लक्ष्य बना लिया है तो कोशिश करें कि अलार्म को स्नूज मोड़ पर न डालें। अगर आपको इस आदत को छोड़ना है तो अलार्म या फोन को सोने से पहले अपने रूम के अलग ही साइड में रखें। इस तरह आपको अलार्म बजने पर उठना ही होगा और कुछ कदम चलकर अलार्म बंद करना पड़ेगा। आप खुद पाएंगे कि एक्स्ट्रा 10-15 मिनट मिलने पर आप कितने ज्यादा प्रोडक्टिव हैं।

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हम अपने ऑफिस ऑउटफिट्स को स्टाइलिशन रखना पसंद करते हैं। लेकिन क्या पहनना है यह डिसाइड करने में हमारे सुबह का कीमती समय चला जाता है। जब हम एक रात यह डिसाइड कर लेते हैं कि आपको क्या पहनना है तो हम सुबह का कम से कम 10 मिनट बचा सकते हैं। जब हमें यह पता हो कि हमें क्या पहनना है तो आपका दिमाग फ्री रहता है।

ब्रेकफास्ट में क्या लें, यह उसी समय तय करने में बहुत परेशानी होती है। बेहतर है कि हम संडे को पूरे सप्ताह का ब्रेकफास्ट मेनू तैयार कर लें। एक रात पहले उस ब्रेकफास्ट की जरूरी प्रिपरेशन की जाए। और यही चीज लंच के साथ भी लागू होती है।

इंटरव्यू में झूठ बोले तो.....

अगर आप किसी से पूछें कि जॉब इंटरव्यू में झूठ बोला जा सकता है तो जवाब ना में ही होगा। थोड़े समय के फायदे के लिए अगर आपने अपनी डिग्री, क्वॉलिफिकेशन या एक्सपीरियेंस को लेकर झूठ बोला तो इसका खामियाजा आपको बाद में भुगतना ही पड़ेगा। लेकिन इन इंटरव्यूज में कुछ ग्रे एरियाज होते हैं जहां छोटा-मोटा झूठ या महिमामंडन करना आपको जॉब दिलाने में मददगार साबित हो सकता है। ये ऐसे छह एरियाज हैं जिसमें आप के सच का थोड़ा हेरफेर एम्प्लॉयर्स भी स्वीकार कर लेता है: अधिकांश लोग सैलेरी को लेकर झूठ बोलकर गलती करते हैं। इसलिए यह कभी न करें बल्कि उन्हें आपके पूरे कम्पनसेशन पैकेज की वैल्यू बताएं जिसमें सैलेरी, वैकेशन और अन्य बेनिफिट्स शामिल हैं। और इस अमाउंड में बढ़ोत्तरी की बात करें। अपने टाइटल को लेकर आप हेरफेर कर सकते हैं। आप अपनी वास्तविक जिम्मेदारी के हिसाब से अपने टाइटल को रिफलेक्ट कर सकते हैं।किसी विशेष इंडस्ट्री में आपको बहुत ज्यादा पैशन न हो लेकिन इंटरव्यूअर के सामने पैशन जताने का यह झूठ चलता है।

इंडस्ट्री में जिनसे आप मिलें हों या आपकी बातचीत हुई हो, उनका नाम बता सकते हैं। आपको यहां पूरा विवरण नहीं देना है कि वे शख्स आपके बेस्ट फ्रेंड्स हैं। आपने पिछली कंपनी को छोड़ा है या आप निकाले गए है। अगर पूछा जाए तो इसे लेकर ईमानदार रहें। इसके बाद कोशिश करें कि आपके कंवर्जेशन का फोकस फिर से आपके भविष्य पर हो। आपको तुरंत ही चतुराई से इसे पॉजिटिव मोड में यह कहकर लाना होगा कि आप नए चैलेंज की तलाश में हैं।

केरियर बनाने के लिए ये खूबियां जरूरी है

किसी भी कर्मचारी को हायर करने के लिए एक एम्प्लॉयर उसमें कई तरह के गुण तलाशता है। जानें कौन-से हैं वे पांच गुण, जो आप खुद में विकसित करके अपनी एम्प्लॉयबिलिटी बड़ा सकते हैं...।

क्या आप दि बेस्ट हैं?

आपकी क्वॉलिफिकेशन उस पद के अनुकूल होनी चाहिए, जिसके लिए आपने आवेदन किया है। इंटरव्यूअर के पूछे गए इस प्रश्न के उत्तर को आप अपने अचीवमेंट्स और गोल्स के साथ सपोर्ट कर सकते हैं। इस बात का ध्यान हमेशा रखें कि आपके अलावा भी यहां और उम्मीदवार हैं, जो आपके प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं।

क्या आप भविष्य के लीडर हैं?

हर कंपनी किसी ऐसे उम्मीदवार को नियुक्त करना चाहती है, जिसका फ्यूचर विजन क्लीयर हो। कंपनी हमेशा किसी ऐसे उम्मीदवार को नियुक्त करना चाहेगी जो अपने विजन को पूरी प्लानिंग के साथ कंप्लीट कर सके।

आप खुद को कितनी अच्छी तरह से जानते हैं?

यह प्रश्न हर इंटरव्यू में पूछा ही जाता है। इस प्रश्न से इंटरव्यूअर यह जानना चाहता है कि उम्मीदवार कितने व्यवस्थित और संक्षिप्त तरीके से खुद का वर्णन करते हैं। इस जवाब में अपने व्यक्तित्व के हर पहलू को कवर करें।

टीमवर्क : किसी भी उम्मीदवार को नियुक्त करने से पहले एम्प्लॉयर यह जरूर देखता है कि क्या वह उम्मीदवार टीम के साथ कुशलतापूर्वक को-ऑर्डिनेट करके काम कर पाएगा या नहीं। श्रेष्ठ एम्प्लॉई वही होता है, जो अपनी टीम को साथ में लेकर प्रोजेक्ट को पूरा करे।

रिपोर्टिंग मैनेजर से संबंध : अपने मैनेजर को रिपोर्ट करने का मतलब यह नहीं कि आप उनकी हर बात में हां में हां मिलाएं लेकिन इसमें यह चेक किया जाता है कि आप किस तरह से अपने विचार, सुझाव और इनपुट्स उनके सामने रखते हैं। आदर्श उम्मीदवार वही है, जिसे पता होता है कि कौन और क्या सही है।

सेल्फ कॉन्फिडेंस के लिए एक बार ये उपाय अपनाकर देखिए

करियर में सफलता के लिए कठोर परिश्रम और समर्पण बहुत जरूरी है लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है आत्मविश्वास। यह मुश्किल राह को भी आसान बना सकता है। कई बार विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास डगमगा जाता है। मगर यदि आप कुछ सरल बातों का ध्यान रखें, तो हमेशा आत्मविश्वास से भरे रह सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय।

काफी कुछ कहते हैं परिधान : आपके आत्मविश्वास पर ड्रेसिंग सेंस का बहुत प्रभाव पड़ता है। इसलिए आत्मविश्वास बढ़ाने का पहला कदम है, अच्छी तरह तैयार होना। इसका मतलब यह है कि हमेशा ऐसे कपड़े पहनें, जो आप सहजता से कैरी कर सकते हैं।

ध्यान रहे, आप जितने इंप्रेसिव दिखेंगे, आपके सीनियर्स पर आपकी बात का प्रभाव उतना ही ज्यादा होगा।

सोच-समझकर, सही बोलें:

आप जैसे बोलते, बात करते हैं, सुनने वाला भी वैसे ही रिएक्ट करता है। इसलिए जो भी कहें, सोच-समझकर कहें। अपनी बात कहने के लिए सही शब्दों का प्रयोग करें। ऑफिस में मौजूद अपने करीबी दोस्तों से भी ऑफिस में बात करते समय डेकोरम का खयाल रखें। प्रोफेशनल और पर्सनल लेवल पर बातचीत का अंदाज अलग होना चाहिए।

जैसे हैं, वैसे रहें आत्मविश्वास का स्तर बढ़ाने के लिए यह सबसे जरूरी बात है। कुछ लोग सीनियर्स

को इंप्रेस करने के लिए ऑफिस में मौजूद स्मार्ट लोगों की तरह बनने की कोशिश करने लगते हैं। इससे उनके अंदर मौजूद गुण सबके सामने आ ही नहीं पाते। इसलिए आप जैसे हैं, वैसे ही रहें। अपनी खूबियों को हमेशा अच्छी तरह से प्रेजेंट करें और खामियों को कम करने की कोशिश करें।

ना कहना सीखें : वर्कप्लेस पर दूसरों की मदद करना बहुत अच्छी बात है, लेकिन इसके चक्कर में अपना नुकसान करना अक्लमंदी का काम बिल्कुल नहीं है। कई लोग खुलकर किसी काम को मना नहीं कर पाते, जिससे उन्हें बार-बार ऐसी चीजों से दो-चार होना पड़ता है, जो उनके आत्मविश्वास को गिरा देती हैं। ऐसे में हमेशा उन चीजों के लिए ना कहना बहुत जरूरी है, जो आपको पसंद नहीं या फिर आपके लिए गैर-जरूरी हैं।

सकारात्मक सोचें, सकारात्मक करें : आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत जरूरी है। एक सकारात्मक मस्तिष्क न सिर्फ हर परिस्थिति में बेहतर परफॉर्म करता है। बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा का जरिया बन जाता है। जब आप हमेशा सकारात्मक सोचेंगे, तो उसका असर आपके व्यक्तित्व पर भी पड़ेगा और आपके आत्मविश्वास का स्तर खुद-ब-खुद बड़ता जाएगा

विज्ञापन संबंधित

त्रिकाल दृष्टि डॉट कॉम एवं समाचार पत्र में क्लासिफाईड एवं अन्य विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें : 9425313619

आवश्यकता है

राष्ट्रीय स्तर की कम्पनी को अपने चौकलेट उत्पादों की मध्यप्रदेश में सेल्स नेटवर्क के विस्तार हेतु अनुभवी प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

योग्यता	4 - 5 वर्ष का FMCG सेल्स का अनुभव अनिवार्य
उग्र	30 - 35 वर्ष
वेतन	योग्यता अनुसार

Intrested Candidates can mail Resumes on Email : bhopal2@yahoo.com

अगर सर्दी में सता रही है खांसी तो आजमाएं घर पर बने ये सुरक्षित कफ सिरप

कफ सिरप लेने के नाम से ही हमारे दिमाग में जो पहली बात आती है वो यह है कि इसे लेते ही नींद आएगी। पर क्या यह जरूरी है कि आप बाहर से खरीदकर ही कफ सिरप लें? अगर आपको कफ सिरप पीने में डर लगता है तो आप इसे घर पर ही बना सकते हैं। घर में बने इस कफ सिरप को पीने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे साइड-इफेक्ट की आशंका खत्म हो जाती है. साथ ही यह पूरी तरह नेचुरल होता है तो किसी प्रकार की एलर्जी का भी डर नहीं रहता।

इन दो तरीकों से आप चाहें तो अपना कफ सिरप घर पर ही बना सकते हैं. इन दोनों ही तरीकों के कफ सिरप बनाने के लिए आपको अदरक, शहद, नींबू और ग्लसिरीन की जरूरत पड़ेगी।

अदरक प्राकृतिक रूप से खांसी और सर्दी को दूर करने का काम करती है। इसके अलावा यह गले में अंदर की ओर होने वाली सूजन को दूर करने में भी काफी फायदेमंद रहती है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं और यह एक बेहतरीन एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल है।

अदरक में ओलेओरेसिन नाम का एक कम्पाउंड पाया जाता है जो कफ और सर्दी की समस्या को दूर करने का काम करता है।

अदरक के अलावा कफ सिरप बनाने में इस्तेमाल होने वाला शहद भी स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत ही फायदेमंद है। यह गले के लिए किसी वरदान से कम नहीं। यह एक एंटी-ऑक्सीडेंट है और इसमें एंटी-माइक्रोबियल गुण भी पाए जाते हैं जो संक्रमण से सुरक्षा देने का काम करते हैं।

वहीं, नींबू में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। एंटी-ऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर नींबू इम्यून पावर को बढ़ाने का काम करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। वहीं ग्लिसरीन एक नेचुरल प्रिजरवेटिव है।

कफ सिरप बनाने का तरीका: इस कफ सिरप को बनाने के लिए आपको अदरक, शहद, दो नींबू और पानी की जरूरत होगी। सबसे पहले अदरक को सफाई से छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। उसके बाद एक ताजे नींबू को कद्दूकस कर लें। एक गहरे बर्तन में एक कप पानी डालकर उसे गैस पर गर्म होने के लिए रख दें। इसमें आधा कप कटी हुई अदरक डाल दें। साथ ही आधा चम्मच घिसा हुआ नींबू डाल दें।

इस मिश्रण को पांच मिनट तक उबलने के लिए रख दें और फिर छान लें। इस घोल में एक कप शहद डालकर इसे हल्की आंच पर रख दें। लेकिन इसे उबालें नहीं। इसके बाद इसमें दो नींबू निचोड़ दें। इसे पूरे मिश्रण को कुछ देर तक धीमी आंच पर पकाने के बाद किसी जार में भरकर रख दें। इस पेय के इस्तेमाल से आपकी कफ और खांसी की समस्या बहुत जल्दी दूर हो जाएगी।

आप चाहें तो अपना सकते हैं ये भी तरीका

इस विधि के लिए भी आपको शहद, नींबू और फूड ग्रेड ग्लिसरीन की आवश्यकता पड़ेगी। सबसे पहले एक-चौथाई ग्लिसरीन को एक बड़े बर्तन में डाल लें। इसमें एक चौथाई मात्रा में ही शहद डाल दें। उसके बाद उतनी ही मात्रा में नींबू का रस डालकर मिलाएं। इन तीनों ही चीजों को अच्छी तरह मिला लें। उसके बाद किसी एयर-टाइट जार में डालकर बंद कर दें। दिन में दो से तीन बार तक इसका इस्तेमाल करना फायदेमंद रहेगा। आप चाहें तो इस मिश्रण में अदरक के रस की कुछ मात्रा भी मिला सकते हैं।

भूख लगने पर ही खाएं खाना वरना...

भूखे न होने पर भी कुछ न कुछ खाने की आदत आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकती है। शिकागो की इलिनोइस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता डेविड गाल के अनुसार, बार-बार खाना फायदेमंद होता है लेकिन तब जब वाकई भूख लगी हो। भूख न होने पर भी खाना सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

वैज्ञानिकों ने इस शोध के लिए स्नातक के 45 छात्रों को शामिल किया। इन छात्रों से सबसे पहले इनके भूख के स्तर की जानकारी ली गई। इसके बाद इन्हें कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन दिया गया।

भोजन की नियमित खुराकें स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव डालती हैं, इसे जानने के लिए शोधार्थियों ने प्रतिभागियों द्वारा भोजन करने के बाद उनके ब्लड में शुगर के स्तर को मापा गया। शोधार्थियों ने पाया कि कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन करने के बाद ब्लड शुगर में वृद्धि हो जाती है। सामान्य तौर पर ब्लड-शुगर लेवल में न्यूनतम वृद्धि अच्छी होती है लेकिन इसकी उच्च स्तर पर वृद्धि से शरीर की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इस अध्ययन के अनुसार, भूख न लगने पर भोजन करने वाले प्रतिभागियों की तुलना में भूख लगने पर भोजन करने वाले प्रतिभागियों के ब्लड शुगर लेवल में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई। वैज्ञानिकों का मत है कि भूख लगने पर ही भोजन को हाथ लगाना चाहिए। इससे ब्लड शुगर का स्तर भी सामान्य रहता है और सेहत भी।

सिगरेट से स्वास्थ्य समस्याएं

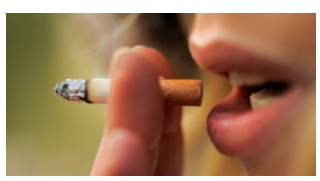

हाल ही में हुए एक अध्ययन में कहा गया है कि ऐसे लोग जो भले ही सिगरेट न पीते हों पर सिगरेट पीने वालों के साथ उठते-बैठते हैं, उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझना पड़ता है। खासतौर पर महिलाओं के संदर्भ कहा गया है कि जो महिलाएं पैसिव स्मोकर हैं, उन्हें मेनोपोज के जल्दी आने और बांझपन की समस्या हो सकती है। हालांकि जो महिलाएं धूम्रपान करती हैं उनमें मेनोपोज एक से दो साल पहले ही आ जाता है। पर चौंकाने वाली बात ये है कि सिगरेट पीने वाले लोगों के संपर्क में रहने वाली महिलाओं में भी इस बात का खतरा होता है। महिलाओं के स्वास्थ्य और धूम्रपान के बीच संबंध का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं का कहना है कि महिलाओं को हर प्रकार के नशे से दूर रहने की कोशिश करनी चाहिए।

छींक रोकना हो सकता है खतरनाक, जानते हैं क्यों?

छींक आना एक प्राकृतिक क्रिया है। छींक आना स्वस्थ जीवन के लिए बहुत जरूरी है। दरअसल, जब कोई बाहरी तत्व हमारे शरीर में प्रवेश कर रहा होता है तो हमें छींक आ जाती है और वो संक्रामक चीज बाहर ही रह जाती है। या फिर जब शरीर में कोई ऐसा ततव प्रवेश कर जाता है तो उसे बाहर निकालने के लिए भी शरीर ये प्रतिक्रिया देता है। छींक बहुत तेज गति से आती है और सही मायनों में कहा जाए तो ये हमारे शरीर की सुरक्षा प्रक्रिया है।

कई बार ऐसा होता है कि सार्वजनिक रूप से छींकना हमें सही नहीं लगता है और हमारे छींकने से आस-पास के लोग भी असहज हो जाते हैं। यही वजह है कि हम एक्सक्यूज मी कहकर छींकते हैं। पर क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि जब आप एक्सक्यूज मी कहते हैं तो सामने वाला क्या कहता है. आपके ऐसा कहने के बाद सामने वाला आपको गॉड ब्लेस यू कहता है. पर क्यों? दरअसल, छींक जिंदगी और मौत से जुड़ी बात भी हो सकती है।

जी हां, ये बिल्कुल सच है कि छींक रोकना बेहद खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आपके छींक रोकने से आपके शरीर के दूसरे अंगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़े। दरअसल, छींक बहुत तेज गति के साथ आती है। ऐसे में जब हम छींक रोकते हैं तो वो प्रेशर हमारे नाक या गले की कोशिकाओं पर दबाव डालकर उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। कई बार इसका असर दिमाग पर भी हो जाता है। ऐसे में आपका ये जानना बहुत जरूरी है कि अगर आप

छींक रोकते हैं तो उसके क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

छींक रोकना क्यों है खतरनाक?

छींक आने के दौरान हमारे नासा-छिद्रों से तेज रफ्तार में हवा बाहर आती है। अगर आप छींक रोकते हैं तो ये सारा दबाब दूसरे अंगों की ओर मुड़ जाता है। इससे सबसे अधिक नुकसान कान को हो सकता है। हो सकता है कि ऐसा करने से आपके ईयर-ड्रम्स फट जाएं और आपके सुनने की क्षमता चली जाए। छींक रोकने से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

आपके पास कितनी आंखें हैं?

संहारक के तौर पर शिव के पास तीन आंखें हैं, लेकिन असुरों के गुरु शुक्राचार्य के पास एक ही आंख है। पुराणों के अनुसार एक आंख धारण करने वाले ज्यादा रचनात्मक और अंतरज्ञानी माने जाते हैं, लेकिन साथ ही उनमें तर्कसंगतता का अभाव होता है।

यदि स्त्री आपके साथ है तो आप तीन आंखों वाले शिव हैं। स्त्री के बिना हालांकि आप दो आंखों वाले कामदेव नजर आते हैं, किंतु हकीकत में आप एक आंख वाले शुक्राचार्य ही हुआ करते हैं।

प्रसिद्ध विदूषक तेनालीराम ने ऐसा कहा है या उनके माध्यम से ऐसा कहा गया है। अब चाहें तो इसे एक आंख वाले के लिए प्रशंसा कह सकते हैं या फिर अपमान, इस मामले में कुछ भी स्पष्ट नहीं होता है। पुराणों में संहारक के तौर पर शिव के पास तीन आंखें हैं, लेकिन असुरों के गुरु शुक्राचार्य के पास एक ही आंख है।

पुराणों के अनुसार एक आंख धारण करने वाले ज्यादा रचनात्मक और अंतरज्ञानी माने जाते हैं, लेकिन साथ ही उनमें तर्कसंगतता का अभाव होता है। दो आंखें संतुलन की, जबकि तीन आंखें अंतरप्रज्ञा की प्रतीक हैं। तीन आंखों वाला दूसरों से ज्यादा देख सकता है, वह दूसरों के दिल...दिमाग में झांक सकता है। तो हमारे पास असल में कितनी आंखें हैं- एक, दो या फिर तीन?

जब असुरों के राजा बलि के राज्य-विस्तार से डरकर इंद्र ने विष्णु से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया तो विष्णु ने वामन अवतार धारण किया और राजा बलि से भूमि का दान चाहा। शुक्राचार्य यह जान गए थे कि वामन असल में कोई और नहीं स्वयं भगवान विष्णु हैं। तो शुक्राचार्य ने बलि को भूमि दान करने से रोकने का प्रयास किया।

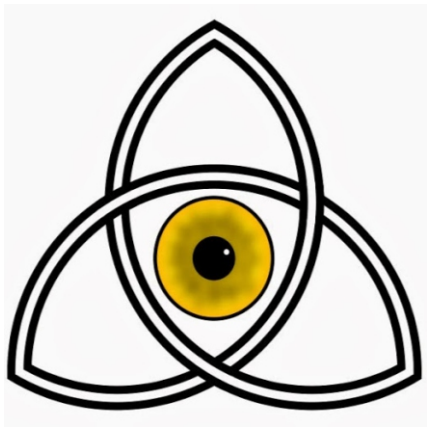

उसके लिए वे सूक्ष्म रूप लेकर उस कमंडल में उतर गए, जिससे पानी लेकर वे वामन को भूमि दान करने वाले थे।

विष्णु ने शुक्राचार्य की चाल भांप ली और उन्होंने घास का तिनका कमंडल की नली में डाला जो शुक्राचार्य की आंख में गया और उनकी आंख चली गई। देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर के बारे में भी

मान्यता है कि उनके पास भी एक ही आंख है। मान्यता है कि एक बार कुबेर ने शिव को चुनौती दी थी कि वे धन से कुछ भी कर सकते हैं, तो देवी भगवती ने उनकी एक आंख नोच ली और कहा कि अब इसे बदलकर दिखाएं। कुबेर को सबक मिला और उन्होंने उस उस जगह सोने की आंख लगाई।

तभी से वे उन्हें पिंगलक्ष्या भी कहा जाता है, वे जिनकी आंखें पीली हैं या सोने की हैं। एक दूसरी कथा के अनुसार कुबेर ने दावा किया कि शिव के प्रति उनका प्रेम पार्वती की तुलना में ज्यादा है। क्रोधित होकर शक्ति ने उनकी आंख नोच ली। जब शिव अपनी दो आंखों को बंद कर तीसरी खोलते हैं तो माना जाता है कि वे बहुत क्रोधित हैं। ऐसे में ही उन्होंने कामदेव को भस्म किया था। जब शक्ति उनके समक्ष आई तो वे एकदम मंत्रमुग्ध और शांत हो गए और उन्होंने अपनी तीनों आंखें खोल लीं। कुछ दूसरी कथाओं में उन्होंने अपने सिर बड़ा लिए ताकि वे देवी को 10 आंखों से देख सकें। वेदों में वरुण को हजार आंखों वाले देवता माना गया है। जो इंसान के कर्मों पर नजर रखता है और जो अपना संकल्प पूरा नहीं करता उनको दंड देता है।

पुराणों में इंद्र की 100 आंखें बताई गई हैं। कहानी के अनुसार जब गौतम ऋषि ने इंद्र को अहल्या के साथ देखा था तो उन्होंने इंद्र की पूरी देह में योनिमुख होने का श्राप दिया। बाद में ये आंखों में तब्दील हो गईं। सौ आंखें, प्रतीक हैं, जो वासनात्मक इच्छाओं पर नजर रखती हैं।

ग्रीक पौराणिकता में सायक्लोप्स के पास एक आंख है। वे गिया और उरनस के कुरुप बच्चे हैं, जिन्हें टीटान और टारटरस ने कैद कर रखा था। जब तक कि ज्यूस उन्हें आजाद नहीं करवा लेता। इसी तरह कहीं-कहीं साइक्लोप्स एक खतरनाक नरभक्षी है जिसे ओडिसिस ने अंधा कर दिया है। ग्रीक पौराणिकता में तीन जादूगरनियों की भी कथा है, जो एक ही आंख से अपना काम चलाती हैं। वे नायक परसियस को बताती है कि कैसे वह खतरनाक मेडुसा को ढूंढे और उसे हराए।

नॉर्स की पौराणिकता में ओडिन अपनी एक आंख मिमिर के ज्ञान के कुएं से पानी पीने के लिए त्याग देता है। ईजिप्ट की पौराणिकता में ओसीरिस के ताज को जीतने के लिए होरूस की आंख में छेद कर दिया और इसे ही बाद में ईजिप्ट की आंख के तौर पर जाना जाने लगा। तो हमें चाहे एक दिखे या दो... या फिर तीन... लेकिन आंखें इससे कहीं ज्यादा होती हैं।

चाणक्य नीति

वर्तमान में जियें, भविष्य उज्जवल होगा

व्यक्ति अपने व्यवहार के कारण ही पूज्य होता है, यदि उसे कभी विषम परिस्थितियों में ऐसे काम करना पड़े, तब उसे ऐसी दौलत त्याग देनी चाहिए। चाणक्य ने ऐसी और भी कई बातों का उल्लेख चाणक्य नीति में किया है।

चाणक्य कहते हैं...

दौलत, मित्र, पत्नी और राज्य यदि चला जाए तो वापिस आ सकता है। लेकिन आपकी काया एक बार चली जाए, फिर वापिस नहीं आती है।

ऐसी दौलत किस काम की जो कठोर यातना, सदाचार का त्याग कर अर्जित करना पड़े।

जो बीत गया उस पर न पछताएं, भविष्य की चिंता भी न करें। वर्तमान में जियें भविष्य हमेशा उज्जवल होगा।

हमारे शास्त्र ज्ञान के भंडार हैं। इनसे हम अनंत कलाएं सीख सकते हैं। हमारे पास समय भी बहुत कम है और उसमें भी विघ्न-बाधाएं दस्तक देती रहती हैं। इसीलिए वही सीखें जो अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हमें शास्त्रों में से सार ग्रहण करना चाहिए।

जो व्यक्ति राजा से, अग्नि से, धर्म गुरु से, और स्त्री से परिचय अधिक बड़ाता है। वह विनाश को प्राप्त होता है। इसलिए इन लोगों से अंतर बनाए रखना चाहिए।

क्रमश: इन पांच बातों को करते या करने के बाद अभिमान नहीं करना चाहिए। वो हैं, परोपकार, आत्म संयम, शास्त्र का ज्ञान, विनम्रता और पराक्रम।

ये आठ लोग कभी किसी का दु:ख नहीं समझ सकते हैं।

1. राजा 2. वेश्या 3. यमराज 4. अग्नि 5. चोर 6. छोटा बच्चा 7. भिखारी 8. कर वसूल करने वाला व्यक्ति।

जब जरासंध न समझ पाया श्रीकृष्ण की युद्ध नीति

भगवान श्रीकृष्ण ने बाल्यरूप से युवावस्था तक कई लीलाएं करते हुए तृणावर्ण, पूतना, अघासुर, अरिष्टासुर, केशी, व्योमासुर, चाणूर, मुष्टिक तथा कंस जैसे दुष्ट दैत्यों और राक्षसों का वध कर डाला था। यानी बचपन से ही कृष्ण युद्ध नीति के अद्वितीय योद्धा थे। उन्होंने जरासंध जैसे वीर को कई बार बुद्धि और विवेक के बल पर हराया था।

कौन था जरासंध

द्वापर युग में एक राजा के यहां ऐसा बालक हुआ, जिसका शरीर दो भागों में बंटा हुआ था। राजा ने अशुभ मानकर उसे नगर के बाहर फिंकवा दिया लेकिन जरा नाम की राक्षसी ने इस बच्चे को जादू से जोड़ा और फिर उसी राजा को वापिस सौंप दिया। यही बालक बड़ा होकर जरासंध कहलाया।

जरासंध था श्रीकृष्ण का रिश्तेदार

जरासंध एक बहादुर योद्धा था। वह महत्वाकांक्षी भी था। उसने अपनी दो बेटियों की शादी कंस से की थी। वह श्रीकृष्ण का रिश्तेदार भी था। जब श्रीकृष्ण ने कंस का संहार कर दिया तब जरासंध ने मथुरा पर जीतने की योजना बनाई। लेकिन उस समय बलराम(श्रीकृष्ण के बड़े भाई) और कृष्ण मथुरा से कूच कर गए।

जरासंध को खाली शहर मिला, तब उसने शहर में आग लगा दी। कृष्ण की यह एक युद्ध नीति थी, जिसकी योजना उन्होनें पहले ही बना चुके थे। ठीक इसी तरह, जरासंध रुक्मणी के भाई रुक्मी के अपनी साथ मिलाना चाहता था। इसलिए उसने रुक्मणी का विवाह शिशुपाल से करवाना चाहा। लेकिन श्रीकृष्ण ने रुक्मणी के बुलाने पर उनका हरण कर लिया।

इसके बाद उसने अपने पौत्र की शादी द्रौपदी से करवाने की युक्ति सोची। द्रौपदी का स्वयंवर होने वाला था। जरासंध चाहता था कि द्रौपदी के पिता राजा द्रुपद उसके सहयोगी बन जाएं तो उसे लाभ होगा। द्रुपद के पास एक विशाल सेना थी, और इस तरह वह भारत वर्ष के एक दूसरे इलाके पर नियंत्रण पा सकता था।

तब उसने कर्ण के विवाह का द्रोपदी से करने के प्रस्ताव द्रुपद को भेजा। कर्ण निम्न जाति के थे। वहीं अज्ञातवास व्यतीत कर रहे ब्रह्मण पुत्रों के रूप में अर्जुन, श्रीकृष्ण के कहने पर ही द्रौपदी के स्वयंवर में पहुंचे।

टीम इंडिया का सबसे बड़ा स्कोर, रोहित ने तोड़ा रिचर्ड्स का रिकॉर्ड

2016 में टीम इंडिया ने पहले मैच में ही कई रिकॉर्ड तोड़ डाले. भारतीय क्रिकेट टीम ने मंगलवार को वाका मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में तीन विकेट पर 309 रन बनाए. यह ऑस्ट्रेलिया में भारत का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है. भारत को इस योग तक पहुंचाने में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा शतक लगाने वाले रोहित शर्मा (नाबाद 171) और विराट कोहली (91) का योगदान है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में भारत का सबसे बड़ा योग चार विकेट पर 303 रन था, जो उसने 2004 में ब्रिस्बेन में बनाए थे। साल 2008 में भारत ने सिडनी में 299 रन बनाए थे। भारत वह मैच हार गया था लेकिन ब्रिस्बेन में 303 रन बनाने के बाद भारत को जीत मिली थी। रोहित शर्मा ने इस दौरान 171 रनों की नाबाद पारी खेली।

रोहित की एक पारी और ढेरों रिकॉर्ड

मुंबई के इस बल्लेबाज ने अपने 9वें वनडे शतक के दौरान कई रिकॉर्ड बनाए जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी सरजमीं पर किसी बल्लेबाजी का सर्वोच्च स्कोर भी शामिल है. रोहित ने वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्डस का 153 रन का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इतना ही नहीं रोहित ने ऑस्ट्रेलिया में तीसरा शतक जड़ा है यह भी एक भारतीय रिकॉर्ड है। इस मामले में वो अब वी वी एस लक्ष्मण के साथ आ खड़े हुए हैं।

महान बल्लेबाजों के साथ खड़े हुए रोहित

रोहित का यह स्कोर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर वनडे मुकाबले में किसी भी बल्लेबाज का पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। क्रिस गेल (215), डेविड वार्नर (178), मार्क वॉ (173) और एडम गिलक्रिस्ट (172 रन, बनाम जिम्बाब्वे) इस लिस्ट में टॉप चार बल्लेबाज हैं। इतना ही नहीं, यह चौथा मौका है जब रोहित ने वनडे में 150 से अधिक रन बनाए हैं। अब वो वनडे में 150 से अधिक रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर गेल और जयसूर्या के साथ आ खड़े हुए हैं। उनसे अधिक बार वनडे में 150 का स्कोर केवल सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने यह रिकॉर्ड पांच बार बनाया है।

कोहली भी भीगे रिकॉर्ड की बारिश में

इस दौरान विराट कोहली ने भी शानदार रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सातवीं बार 200 से अधिक की साझेदारी की। टीम इंडिया के किसी भी क्रिकेटर का यह नया रिकॉर्ड है। उन्होंने सौरव गांगुली और सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ा। इन दोनों के नाम यह रिकॉर्ड छह बार दर्ज है। रोहित और विराट की ये साझेदारी ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

ब्रिस्बेन वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया ने मिशेल मार्श को दिया आराम

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले दूसरे वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट मैच से ऑलराउंडर मिशेल मार्श को आराम देने का फैसला किया है और उनकी जगह जॉन हास्टिंग्स को टीम में शामिल किया गया।

यह बदलाव खिलाड़ियों पर काम का बोझ कम करने की ऑस्ट्रेलिया की रोटेशन नीति का हिस्सा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, विक्टोरिया और मेलबर्न स्टार्स के तेज गेंदबाज जान हास्टिंग्स को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के ब्रिस्बेन के गाबा में शुक्रवार को होने वाले दूसरे मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को होने वाले तीसरे वनडे मैच के लिए मार्श की टीम में वापसी होगी। हास्टिंग्स बिग बैश लीग में आठ विकेट के साथ स्टार्स के सबसे सफल गेंदबाज हैं।

उन्होंने 2 जनवरी को मेलबर्न रेनेगेडस के खिलाफ 29 रन देकर चार विकेट चटकाए थे।

हास्टिंग ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 2012 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पर्थ में एक टेस्ट खेलने के अलावा 13 वनडे मैच और तीन टी20 इंटरनेशनल मैच भी खेले हैं।

वज़ीर : वर्षों की मेहनत रंग लायी

वज़ीर विधु विनोद चोपड़ा की तपोभूमि से निकला हुआ एक और फूल है जिसका विचार विधु को 1988 में बैडमिंटन प्लेयर सैयद मोदी की हत्या के बाद आया था हालांकि विधु इसका खंडन करते रहे है। विधु इसे अंग्रेजी में डस्टिन हॉफमैन को लेकर फिफ्थ मूव या 64 स्क्वायर के नाम से बनाना चाहते थे जिससे संभवत वो हॉलीवुड में एंटर होते। वज़ीर पर विधु विगत कई वर्षों से लगातार काम कर रहे थे और 2004 में लक्ष्य फिल्म की स्क्रीनिंग पर ही उन्होंने फरहान को इसकी पटकथा सुनाई थी जब वो 2014 में दोबारा मिले तो फरहान ने उसे स्वीकार कर लिया और इस फिल्म में एंटी टेररिज्म स्क्वाड के इंस्पेक्टर के किरदार को जीवंत बनाने के लिए आठ किलो वजन बढ़ाने के साथ में कड़ा प्रशिक्षण भी लिया। बताया जा रहा है की फिल्म की स्क्रिप्ट को पूरा होने में 5 वर्ष लगे और इसकी एडिटिंग भी 7 माह तक चली। दमदार पटकथाए विजय नोम्बियार का कसा हुआ निर्देशन और अमिताभ फरहान के सशक्त अभिनय ने इसे एक दर्शनीय फिल्म बना दिया। गौरतलब हे की फरहान लक्ष्य में अमिताभ को निर्देशित कर चुके हे। जहाँ रॉकओन और भाग मिल्खा के बाद फरहान की गिनती इंडस्ट्री के चुनिंदा अभिनेताओं में होती है वही ब्लैक, पा, और पीकू के बाद वजीर अमिताभ के अभिनय का अगला स्तर है एवं इसमें इनके द्वारा निभाया गया पंडित जी का किरदार लंबे समय तक याद रखा जायेगा। जॉन अब्राहमए अदिति राव और नील नितिन के लिए इस फिल्म में करने को कुछ भी नहीं था। यह मल्टीप्लेक्स के लिए बनायीं गयी एक गंभीर फिल्म है जिसका मजा शायद एकल स्क्रीन सिनेमा के दर्शको को ना आए। मै इस फिल्म को 5 में से 3 स्टार देता हूँ।

अजय सिसोदिया

लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के
शुभ अवसर पर
शुभारंभ

Ayush Samadhaan
Simpler way to reach your doctor

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE
www.ayushsamadhaan.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, E-mail: parag073@gmail.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)